Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 15

No. of Printed Pages – 7

SS–01–Hindi (C)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2017

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2017

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3¼ **घण्टे**

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में निर्धारित शब्द–सीमा में लिखें ।

4) जिस प्रश्न के **अ, ब, स, द, य** भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

Download from www.MsEducationTv.com

खण्ड – क

1) निम्नांकित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

नए युग में विचारों की नई गंगा बहाओ तुम,
कि सब कुछ जो बदल दे ऐसे तूफां में नहाओ तुम।
अगर तुम ठान लो तो आंधियों को मोड़ सकते हो,
अगर तुम ठान लो तो तारे गगन के तोड़ सकते हो।।
अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने–
सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो,
तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है–
उसी विश्वास को फिर आज जन–जन में जगाओ तुम।
पसीना तुम अगर इसमें अपना मिला दोगे,
करोड़ों दीन–हीनों को नया जीवन दिला दोगे।
तुम्हारी देह के श्रम–सीकरों में शक्ति है इतनी,
कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे।
नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है।
इशारा कर वही इस देश को लहलहाओ तुम।।

अ) यदि भारतीय नवयुवक दृढ़ संकल्प कर लें तो क्या–क्या कर सकते हैं? [2]

ब) नवयुवकों से क्या करने का आग्रह किया जा रहा है? [2]

स) युवक यदि परिश्रम करें तो क्या लाभ होगा? [2]

द) 'कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]

2) निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

युद्ध और नर–संहारक शस्त्रों की भीषण चोटों से घायल विश्व का हृदय यह स्पष्ट अनुभव कर रहा है कि स्थायी सुख और शान्ति का मार्ग हिंसा में नहीं, अहिंसा में है। आज विश्व के सिर पर युद्ध और अशान्ति के बादल मंडरा रहे हैं। विश्व का एक भी राष्ट्र अपने को पूर्ण सुरक्षित अनुभव नहीं कर रहा है। सर्वत्र भय की भावना व्याप्त हो रही है। सबल राष्ट्र निर्बल राष्ट्रों की स्वतन्त्रता का बलात् अपहरण कर रहे हैं। हिंसा के पथ पर अग्रसर होकर विश्व–विनाश की ओर जा रहा है।

Download from www.MsEducationTv.com

आज आवश्यकता इस बात की है कि युद्ध के स्थान पर शान्ति की स्थापना की जाए, शत्रुता के स्थान पर मित्रता के हाथ बढ़ाए जाएं। गाँधीजी ने अहिंसा का मार्ग अपनाकर ही भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराया था। महावीर स्वामी, गौतम बुद्ध और महात्मा ईसा ने भी अहिंसा के द्वारा ही मानव–कल्याण का पथ आलोकित किया था। आज भी हमारा देश इसी अहिंसा की वाणी का सन्देश, शान्ति का देवदूत बनकर भय और संशयग्रस्त संसार को दे रहा है। यही आज की क्षत–विक्षत मानवता की सबसे बड़ी माँग है। हमारा कर्त्तव्य है कि हम अहिंसा के आदर्शों को अपनाकर मानवता के दीप को प्रज्वलित करें। यही आज के युग का परम धर्म है।

अ) स्थायी सुख और शान्ति कैसे प्राप्त की जा सकती है? [2]

ब) विश्व अशान्ति का कारण एवं उसे दूर करने के उपाय बताइए। [2]

स) आज देश को किन बातों की सबसे अधिक आवश्यकता है? [2]

द) देश के प्रति हमारे क्या कर्त्तव्य हैं? [2]

खण्ड – ख

3) निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : [7]

अ) राष्ट्र के प्रति हमारा दायित्व

ब) बढ़ते वाहन : गिरता स्वास्थ्य

स) पर्यावरण संरक्षण : जीवन का मूल आधार

द) बढ़ती महंगाई : दुखद जीवन

य) कम्प्यूटर शिक्षण की अनिवार्यता

4) अपने विद्यालय में आयोजित 'स्वतन्त्रता दिवस' अथवा 'शिक्षक दिवस' पर एक प्रतिवेदन (रिपोर्ट) लिखिए। [4]

5) स्वयं को कपिल मानते हुए अपने क्षेत्र के पुलिस अधिकारी को मोहल्ले में आए दिन होने वाली चोरियों की शिकायत करते हुए एक पत्र लिखिए। (उत्तर सीमा 100 शब्द) [3]

अथवा

स्वयं को भरतपुर निवासी संजीव मानते हुए भरतपुर के नगर निगम के कार्यकारी अधिकारी को सड़कों पर बढ़ रहे अतिक्रमण को नियन्त्रित करने हेतु पत्र लिखिए। (उत्तर सीमा 100 शब्द)

Download from www.MsEducationTv.com

6) निम्नांकित विषयों में से किसी एक पर आलेख लिखिए : (उत्तर सीमा 80 से 100 शब्द) [4]

अ) बुजुर्गों के प्रति घटता दायित्व बोध

ब) बाल श्रम और उपेक्षित जीवन

स) स्वच्छता: भारत का सपना

7) निम्नांकित विषयों में से किसी एक विषय पर फीचर लिखिए : (उत्तर सीमा 80 से 100 शब्द) [4]

अ) मोबाइल फोन पर केन्द्रित जीवन

ब) भारत पर आतंकवाद की छाया

स) सादा जीवन : उच्च विचार की लुप्त होती अवधारणा।

खण्ड – ग

8) निम्नांकित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द)

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन परों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अक्सर
छतों के खतरनाक किनारों तक–
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की धड़कती ऊंचाइयाँ उन्हें थाम लेती है महज एक धागे के सहारे
पतंगों के साथ वे भी उड़ रहे हैं–
अपने रंध्रो के सहारे

अ) बच्चे जन्म से ही अपने साथ कपास कैसे लाते हैं? [2]

ब) "दिशाओं .... बजाते हुए" पंक्ति से कवि का क्या तात्पर्य है? [2]

स) बच्चों को छतों से गिरने से कौन बचाता है? [2]

द) 'पतंगों के .... उड़ रहे हैं' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

अथवा

हरषि राम भेटेउ हनुमाना। अति कृतग्य प्रभु परम सुहाना।।
तुरत बैद तब किन्हीं उपाई। उठि बैठे लछिमन हरबाई।।

Download from www.MsEducationTv.com

हृदयँ लाइ प्रभु भेंटेउ भ्राता। हरषे सकल भालु कपि ब्राता।।
कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा। जेहि विधि तबहिं ताहि लई आवा।।
यह वृत्तांत दसासन सुनेऊ। अति विषाद पुनि पुनि सिर धुनेऊ।।
व्याकुल कुंभकरन पहिं आवा। विविध जतन करि ताहि जगावा।।

अ) हनुमान को आया देखकर श्रीराम के हृदय में क्या भाव जगे? [2]

ब) लक्ष्मण की मूर्च्छा किस प्रकार दूर हुई? [2]

स) 'हरषे सकल भालु कपि ब्राता' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

द) रावण किस कारण अपना सिर धुनने लगा? [2]

9) निम्नांकित पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द)

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो

अ) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि शमशेर बहादुर सिंह द्वारा वर्णित भाव को समझाइए। [2]

ब) उपर्युक्त काव्यांश के शिल्प सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। [2]

अथवा

बार-बार गर्जन
वर्षण है मूसलाधार,
हृदय थाम लेता संसार,
सुन-सुन घोर वज्र-हुंकार।

अ) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि निराला द्वारा वर्णित भाव को समझाइए। [2]

ब) उपर्युक्त काव्यांश के शिल्प सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। [2]

10) पठित कविताओं की विषय-वस्तु से सम्बन्धित दिए तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द)

अ) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता किस सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति को दर्शाती है? क्या वास्तव में वह सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति करती है? स्पष्ट कीजिए। [1½]

ब) 'देख आइने में चाँद उतर आया है' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [1½]

स) 'भाषा को सहूलियत से बरतना' कथन का तात्पर्य समझाइए। [1½]

Download from www.MsEducationTv.com

11) निम्नांकित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द)

यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेज़िंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति–शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाज़ारुपन बढ़ाते है। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी। इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई–भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे ग्राहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं। मानो दोनों एक दूसरे को ठगने की घात में हों। एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दीखता है और यह बाज़ार का, बल्कि इतिहास का; सत्य माना जाता है ऐसे बाज़ार को बीच में लेकर लोगों में आवश्यकताओं का आदान–प्रदान नहीं होता; बल्कि शोषण होने लगता है तब कपट सफल होता है, निष्कपट शिकार होता है।

अ) बाज़ार को विनाशक शैतानी शक्ति कौन देता है? **[2]**

ब) बाज़ार से लाभ कौन उठा सकते हैं, बताइए। **[2]**

स) बाज़ार में शोषण कब होने लगता है? **[2]**

अथवा

जाति–प्रथा के पोषक, जीवन, शारीरिक–सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतन्त्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परंतु मनुष्य के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतन्त्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि इस प्रकार की स्वतन्त्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतन्त्रता किसी को नहीं है, तो उसका अर्थ उसे 'दासता' में जकड़कर रखना होगा, क्योंकि 'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता। 'दासता' में वह स्थिति भी सम्मिलित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्त्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है। यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है। उदाहरणार्थ, जाति प्रथा कि तरह ऐसे वर्ग होना संभव है, जहाँ कुछ लोगों को अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशे अपनाने पड़ते हैं।

अ) जाति प्रथा के पोषक किस बात को स्वीकार करते हैं। **[2]**

ब) दूसरों के द्वारा निर्धारित कर्त्तव्य करने की मज़बूरी से क्या दुष्परिणाम संभव हैं? **[2]**

स) 'स्वतन्त्रता' और 'दासता' में अन्तर को स्पष्ट कीजिए। **[2]**

Download from www.MsEducationTv.com

12) पठित गद्य पाठों की विषय वस्तु पर आधारित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :
(उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द)

अ) 'काले मेघा पानी दें' निबन्ध के आधार पर बताइए कि जीवन में त्याग और दान का क्या महत्त्व है? [3]

ब) 'उसने क्षत्रिय का काम किया है' राजा साहब ने ये शब्द किसके लिए और क्यों कहे हैं? पहलवान की ढोलक पाठ के आधार पर बताइए। [3]

स) सफ़िया के भाई ने नमक की पुड़िया ले जाने से क्यों मना कर दिया? [3]

द) शिरीष के फूल नामक निबन्ध से हमें क्या शिक्षा मिलती है? [3]

खण्ड – घ

13) पाठों की विषय वस्तु पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द)

अ) सिल्वर वैडिंग पाठ का कथानक आधुनिक–पाश्चात्य संस्कृति के अन्धानुकरण एवं बदलते मानवीय मूल्यों पर आधारित है। कथन को स्पष्ट कीजिए। [3]

ब) लेखक आनंद यादव संघर्ष करके जीवन को उत्कृष्ट बनाता है। आप इससे कहाँ तक सहमत है? जूझ उपन्यास के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [3]

स) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिन्धु सभ्यता के नगर नियोजन का वर्णन कीजिए। [3]

14) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए :
(उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द)

अ) ऐन फ्रेंक ने अपनी डायरी गुड़िया किट्टी को संबोधित करके क्यों लिखी? [1½]

ब) मुअनजो–दड़ो की खुदाई में प्राप्त इमारतों, अन्य स्थलों एवं वस्तुओं का सामान्य परिचय दीजिए।[1½]

स) लेखक आनन्द यादव ने पाठशाला में नाम लिखवाने के लिए क्या–क्या उपाय किए? [1½]

15) विषय वस्तु पर आधारित दिए गए दो प्रश्नों में से किसी एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द)

अ) 'डायरी के पन्ने' के आधार पर औरतों की शिक्षा और उनके मानवाधिकारों के बारे में ऐन के विचारों को अपने शब्दों में लिखिए। [3]

ब) नयी पीढ़ी और नवीन जीवन मूल्य, पुरानी पीढ़ी और प्राचीन जीवन मूल्य : इन दोनों के मध्य सदैव टकराहट चलती रहती है। 'सिल्वर वैडिंग' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [3]

● ● ●

Download from www.MsEducationTv.com

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

Download from www.MsEducationTv.com